प्रश्नपत्रकर्ता/ परीक्षक एवं सभी सम्बन्धित लोगों के लिए
मुख्य पाठ्यक्रम (Core Course-CC-संस्कृत प्रतिष्ठा),
विषय विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Discipline Specific Elective Course-DSEC),
कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम (Skill Enhancement Course-SEC),
सामान्य ऐच्छिक (Generic Elective-GE) एवं
स्नातक सामान्य पाठ्यक्रम (Graduation Pass Course) को केन्द्रित आवश्यक दिङ्निर्देश--

1. मुख्य पाठ्यक्रम (Core Course-**CC**), विषय विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Discipline Specific Elective Course-**DSEC**) एवं कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम (Skill Enhancement Course-**SEC**) की प्रत्येक समसत्रान्त परीक्षा के लिए निर्धारित पूर्णाङ्क 80 होगा।
2. मुख्य पाठ्यक्रम (Core Course-**CC**), विषय विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Discipline Specific Elective Course-**DSEC**) एवं कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम (Skill Enhancement Course-**SEC**) की प्रत्येक मध्य समसत्रान्त परीक्षा के लिए निर्धारित पूर्णाङ्क 20 होगा।
3. समसत्रान्त परीक्षाओं में प्रतिष्ठा के सैद्धान्तिक पत्रों के लिए निर्धारित परीक्षावधि 03 (तीन) घण्टे होगी।
4. परीक्षा के लिए पूछे जाने वाले प्रश्नों के विषय में आवश्यक दिङ्निर्देश यथास्थान दिए गए हैं।
5. प्रश्नों की प्रकृति के विषय में आवश्यक दिङ्निर्देश यथास्थान दिए गए हैं।
6. स्नातक सामान्य की समसत्रान्त परीक्षा के लिए निर्धारित पूर्णाङ्क 100 होगा।
7. सामान्य ऐच्छिक (Generic Elective-**GE**) की समसत्रान्त परीक्षा के लिए निर्धारित पूर्णाङ्क 100 होगा।
8. विषय विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रम दो समूहों 'अ' एवं 'ब' में विभक्त होगा। विद्यार्थी दो में से किसी एक समूह का चयन कर सकते हैं। परीक्षा में प्रश्न उसी समूह विशेष से पूछे जायेंगे।

विषय सूची

विषय	पृष्ठ
भूमिका एवं पाठ्यक्रम संरचना	1-5
1. स्नातक संस्कृत प्रतिष्ठा	
(क) मुख्य पाठ्यक्रम	6-16, 18-21, 23-25, 30-32
(ख) विषय विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रम	26-29, 33-36
(ग) कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम (तृतीय एवं चतुर्थ समसत्र)	17, 22
2. सामान्य ऐच्छिक (संस्कृत)	37-42
3. स्नातक सामान्य	43-50

स्नातक (प्रतिष्ठा) संस्कृत के लिए पाठ्यक्रम

स्नातक (प्रतिष्ठा) संस्कृत के लिए पाठ्यक्रम संरचना-

छः समसत्रों में छात्रों को मुख्य पाठ्यक्रम के अधीन संस्कृत के चौदह पत्रों का अध्ययन करना होगा जो अनिवार्य प्रकृति के होंगे। इन पत्रों के अतिरिक्त विषय विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रम के अधीन चार पत्रों का अध्ययन अपेक्षित होगा। इनका अध्ययन पञ्चम एवं षष्ठ समसत्रों (प्रति समसत्र में दो पत्र) में करना अपेक्षित होगा। इस पाठ्यक्रम को दो समूहों में विभक्त किया गया है। विद्यार्थी अपनी रूचि का समूह चुनने के लिए स्वतन्त्र होंगे। कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम के अधीन दो पत्र होंगे जिनका अध्ययन तृतीय एवं चतुर्थ समसत्रों (प्रति समसत्र में एक पत्र) में करना अपेक्षित होगा।

स्नातक (प्रतिष्ठा) संस्कृत में नामांकन की पात्रता-

(क) ऐसे छात्र जिन्होंने इण्टरमीडिएट की परीक्षा में संस्कृत विषय में 45 या उससे अधिक अङ्क प्राप्त किया हो।

(ख) ऐसे छात्र जिनका इण्टरमीडिएट की परीक्षा में संस्कृत विषय न रहा हो परन्तु यदि उन्होंने इण्टरमीडिएट परीक्षा कम से कम द्वितीय श्रेणी (45 % अङ्कों के साथ) में उत्तीर्ण की हो, वे भी नामाङ्कन के लिए आवेदन कर सकते हैं।

दोनों प्रकार के आवेदकों की मेधा सूची एक साथ तैयार होगी और उपलब्ध स्थानों के विरुद्ध नामाङ्कन निर्धारित प्रावधानों (आरक्षण आदि) के अनुरूप होगा।

स्नातक (प्रतिष्ठा) संस्कृत के लिए पाठ्यक्रम संरचना

प्रथम समसत्र	**द्वितीय समसत्र**
संस्कृत मुख्य पाठ्यक्रम-1- सन्धि, कारक एवं व्याकरणशास्त्र का इतिहास	संस्कृत मुख्य पाठ्यक्रम-3- संस्कृत साहित्य का इतिहास
संस्कृत मुख्य पाठ्यक्रम-2- संस्कृत साहित्य (पद्यकाव्य)	संस्कृत मुख्य पाठ्यक्रम-4- संस्कृत साहित्य (गद्यकाव्य)
क्षमता वृद्धि अनिवार्य पाठ्यक्रम-1	क्षमता वृद्धि अनिवार्य पाठ्यक्रम-2
सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम-1	सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम-2
तृतीय समसत्र	**चतुर्थ समसत्र**
संस्कृत मुख्य पाठ्यक्रम-5- श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय) एवं कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय)	संस्कृत मुख्य पाठ्यक्रम-8- भारतीय संस्कृति एवं राजनीति
संस्कृत मुख्य पाठ्यक्रम-6- संस्कृत साहित्य (नाट्य)	संस्कृत मुख्य पाठ्यक्रम-9- समास । (अव्ययीभाव एवं तत्पुरुष)
संस्कृत मुख्य पाठ्यक्रम-7- साहित्यशास्त्र	संस्कृत मुख्य पाठ्यक्रम-10- समास ॥ (बहुब्रीहि तथा द्वन्द्व) एवं व्याकरणिक पारिभाषिक शब्द
कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम-1-अभिनय एवं कथा लेखन	कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम-2- ज्योतिषशास्त्र एवं वास्तुशास्त्र
सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम-3	सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम-4
पञ्चम समसत्र	**षष्ठ समसत्र**
संस्कृत मुख्य पाठ्यक्रम-11-वैदिक साहित्य	संस्कृत मुख्य पाठ्यक्रम-13- तत्त्वमीमांसा एवं ज्ञानमीमांसा
संस्कृत मुख्य पाठ्यक्रम 12- संस्कृत व्याकरण रचना	संस्कृत मुख्य पाठ्यक्रम-14- नीतिशतकम् एवं मेघदूतम्
विषय विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रम-1 (समूह 'अ' या 'ब' से एक)	विषय विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रम-3 (समूह 'अ' या 'ब' से एक)
विषय विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रम-2 (समूह 'अ' या 'ब' से एक)	विषय विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रम-4 (समूह 'अ' या 'ब' से एक)
श्रेणी-1	श्रेणी-2
समूह 'अ' विषय विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रम-1- नाट्यशाला, नाट्यकला एवं नाट्य पारिभाषिक शब्द विषय विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रम 2- आयुर्वेद की परम्परा	**समूह 'अ'** विषय विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रम-3-भाषाविज्ञान विषय विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रम-4-संस्कृत साहित्य में पर्यावरण चेतना
समूह 'ब' विषय विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रम-1- भारतीय तर्क पद्धति एवं वाद-विवाद विषय विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रम-2- संतुलित जीवन जीने की कला	**समूह 'ब'** विषय विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रम-3-संस्कृत भाषा के संगणन के उपकरण एवं तकनीक विषय विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रम-4- संस्कृत के संगणनीय भाषाविज्ञान

क्रेडिट संरचना

विश्वविद्यालय की नियमावली के अनुसार स्नातक प्रतिष्ठा 140 क्रेडिट तथा स्नातक सामान्य 120 क्रेडिट का पाठ्यक्रम है।

स्नातक (प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम)

140 क्रेडिट का समसत्रवार विभाजन

समसत्र	**मुख्य पाठ्यक्रम (CC)**	**क्षमता वृद्धि अनिवार्य पाठ्यक्रम (AECC)**	**सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम (GEC)**	**कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम (SEC)**	**विषय विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यक्रम (DSE)**	**कुल क्रेडिट**
प्रथम समसत्र	6+6=12	2	6			20
द्वितीय समसत्र	6+6=12	2	6			20
तृतीय समसत्र	6+6+6=18		6	2		26
चतुर्थ समसत्र	6+6+6=18		6	2		26
पञ्चम समसत्र	6+6=12				6+6=12	24
षष्ठ समसत्र	6+6=12				6+6=12	24
	84	**4**	**24**		**24**	**140**

डा० श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची

प्रथम समसत्र (Ist Semester)

डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, राँची

प्रथम समसत्र (Ist Semester)

सी-1

संस्कृत व्याकरण (सन्धि एवं कारक)

खण्ड (क)

सन्धि प्रकरण- 40 अङ्क

अध्येय सूत्र-

स्वर सन्धि- इको यणचि, तस्मिन्निति निर्दिष्टे पूर्वस्य, स्थानेऽन्तरतमः, अनचि च, झलां जश् झशि, एचोऽयवायावः, वान्तो यि प्रत्यये, अदेङ् गुणः, आद्गुणः, उपदेशेऽजनुनासिक इत्, उरण् रपरः, लोपः शाकल्यस्य, पूर्वत्रासिद्धम्, वृद्धिरादैच, वृद्धिरेचि, उपसर्गाः क्रियायोगे, एङि पररूपम्, अचोऽन्त्यादि टि, शकन्ध्वादिषु पररूपं वाच्यम्, अकः सवर्णे दीर्घः, एङः पदान्तादति, प्लुतप्रगृह्याऽचि नित्यम्, ईदूदेद्द्विवचनं प्रगृह्यम्, इकोऽसवर्णे शाकल्यस्य ह्रस्वश्च।

व्यञ्जन सन्धि- स्तोः श्चुना श्चुः, शात्, ष्टुना ष्टुः, न पदान्ताट्टोरनाम्, तोः षि, झलां जशोऽन्ते, यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा, तोर्लि, आदेः परस्य, खरि च, मो राजि समः क्वौ, झयो होन्यतरस्याम्, शश्छोऽटि, मोऽनुस्वारः, अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः, वा पदान्तस्य, ङमो ह्रस्वादचि ङमुन्नित्यम्, छे च, पदान्तात् वा।

विसर्ग सन्धि- विसर्जनीयस्य सः, वा शरि, ससजुषो रुः, अतोरोरप्लुतादप्लुते, हशि च, हलि सर्वेषाम्, रोऽसुपि, रो रि, ढ्रलोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः, विप्रतिषेधे परं कार्यम्।

खण्ड (ख)

कारकप्रकरण- 20 अङ्क

अध्येय सूत्र- प्रातिपदिकार्थलिङ्गपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा, सम्बोधने च, कर्तुरीप्सिततमं कर्म, कर्मणि द्वितीया, अकथितञ्च, साधकतमं करणम्, कर्तृकरणयोस्तृतीया, सहयुक्तेऽप्रधाने, प्रकृत्यादिभ्यः उपसंख्यानम्, येनाङ्गविकारः, कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्, चतुर्थी सम्प्रदाने, रुच्यर्थानां प्रीयमाणः, नमःस्वस्तिस्वाहास्वधाऽलंवषड्योगाच्च, धुवमपायेऽपादानम्, अपादाने पञ्चमी, भीत्रार्थानां भयहेतुः, षष्ठी शेषे, आधारोऽधिकरणम्, सप्तम्यधिकरणे च, यतश्च निर्धारणे, यस्य च भावे न भावलक्षणम्।

खण्ड (ग)

व्याकरणशास्त्र का इतिहास- 20 अङ्क

अध्येय प्रकरण- पाणिनिपूर्व व्याकरण की स्थिति; पाणिनि-देशकाल, जीवनवृत्त एवं अष्टाध्यायी; कात्यायन- देशकाल, जीवनवृत्त एवं वार्तिक; पतञ्जलि- देशकाल, जीवनवृत्त एवं महाभाष्य; व्याकरणशास्त्र का प्रयोजन।

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अङ्कों की
समसत्रान्त परीक्षा 80 अङ्कों की (**परीक्षावधि- 3 घण्टे**)

खण्ड (क)

प्रश्न-1) सन्धि प्रकरण से **सात (7) वस्तुनिष्ठ प्रश्न**
2X7= 14
प्रश्न-2) पाँच सूत्रों में से **दो (02) सूत्रों की व्याख्या**
7X2= 14
प्रश्न-3) छः में से **तीन (03) सन्धि विच्छेद** **2X3= 6**
प्रश्न-4) छः में से **तीन (03) सन्धि** **2X3= 6**

खण्ड (ख)

प्रश्न-5) कारक प्रकरण से **तीन (03) वस्तुनिष्ठ प्रश्न**
2X3= 6
प्रश्न-6) पाँच में से **दो (02) कारक सूत्रों की व्याख्या**
4X2= 8

प्रश्न-7) पाँच में से **दो (02) पदों में ससूत्र विभक्ति निर्देश**
3X2= 6

खण्ड (ग)

प्रश्न-8) 'व्याकरणशास्त्र का इतिहास' से दो में **एक (01) आलोचनात्मक प्रश्न**
20X1= 20

अनुशंसित पुस्तकें-

i. लघुसिद्धान्त कौमुदी- श्रीधरानन्दशास्त्री- मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
ii. लघुसिद्धान्त कौमुदी-महेश सिंह कुशवाहा- चौखम्बा विद्याभवन,वाराणसी
iii. व्याकरणशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास- श्री रमाकान्त मिश्र- चौखम्बा विद्याभवन

डा० श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, राँची

सी-2

संस्कृत साहित्य (पद्यकाव्य)

खण्ड (क)

रघुवंशम्- द्वितीय सर्ग (1-25 श्लोक)
30 अङ्क

खण्ड (ख)

किरातार्जुनीयम्- प्रथम सर्ग (1-26 श्लोक)
30 अङ्क

खण्ड (ग)

महाकाव्य- इन महाकाव्यों का संक्षिप्त परिचय- रघुवंशम्, कुमारसम्भवम्, किरातार्जुनीयम्, शिशुपालवधम्, नैषधीयचरितम्, बुद्धचरितम्, भट्टिकाव्यम्, जानकीहरणम्

20 अङ्क

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अङ्कों की
समसत्रान्त परीक्षा 80 अङ्कों की (**परीक्षावधि- 3 घण्टे**)

खण्ड (क) रघुवंशम्

प्रश्न-1) पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न **2X5= 10**
प्रश्न-2) दो में से **एक (01)** आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर **8X1= 8**
प्रश्न-3) दो में से **एक (01)** श्लोक की **संस्कृत में सप्रसङ्ग** व्याख्या **7X1= 7**
प्रश्न-4) दो में से **एक (01)** श्लोक का हिन्दी में अनुवाद **5X1= 5**

खण्ड (ख) किरातार्जुनीयम्

प्रश्न-5) पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न **2X5= 10**
प्रश्न-6) दो में से **एक (01)** आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर **8X1= 8**
प्रश्न-7) दो में से **एक (01)** श्लोक की **संस्कृत में सप्रसङ्ग** व्याख्या **7X1= 7**
प्रश्न-8) दो में से **एक (01)** श्लोक का हिन्दी में अनुवाद **5X1= 5**

खण्ड (ग)

प्रश्न-9) चार में से किन्हीं **दो (02)** महाकाव्यों पर टिप्पणी **10X2= 20**

अनुशंसित पुस्तकें-

i. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)- पं० वेणीमाधव सदाशिवशास्त्री मुसलगांवकर-विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
ii. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)- अखिलेश पाठक- प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ
iii. रघुवंशम् (द्वितीय सर्गः)- रामकृष्ण शुक्ल- रामनारायण बेनीप्रसाद, इलाहाबाद
iv. रघुवंशम् (द्वितीय सर्गः)- विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
v. संस्कृत साहित्य का इतिहास-आचार्य बलदेव उपाध्याय- शारदा निकेतन, वाराणसी

द्वितीय समसत्र (IInd Semester)

डा० श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, राँची

द्वितीय समसत्र (IInd Semester)
सी-3
संस्कृत साहित्य का इतिहास (रामायण, महाभारत एवं पुराण**)**

संस्कृत साहित्य का इतिहास- रामायण, महाभारत एवं पुराण

80 अङ्क

रामायण- (क) सामान्य परिचय, (ख) काल-निर्धारण, (ग) उपजीव्यता, (घ) रामायणकालीन समाज और संस्कृति, (ङ) रामायण का साहित्यिक महत्त्व, आदिकाव्य के रूप में रामायण।

महाभारत- (क) महाभारत का विकास क्रम, (ख) उपजीव्यता, (ग) काल-निर्धारण (घ) महाभारतकालीन समाज, (ङ) महाभारत का साहित्यिक महत्त्व, (च) रामायण और महाभारत का पौर्वापर्य।

पुराण- (क) पुराण की परिभाषा, (ख) पुराणों के लक्षण, (ग) महापुराणों की संख्या (घ) इन महापुराणों का सामान्य परिचय- श्रीमद्भागवत, अग्नि, विष्णु, स्कन्द एवं पद्म

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अङ्कों की

समसत्रान्त परीक्षा 80 अङ्कों की (**परीक्षावधि- 3 घण्टे**)

प्रश्न-1) दश वस्तुनिष्ठ प्रश्न **2X10=20**

प्रश्न-2) छः आलोचनात्मक प्रश्नों में से **तीन (03)** प्रश्नों का उत्तर **20X3=60**

अनुशंसित पुस्तकें-

i. संस्कृत साहित्य का इतिहास-आचार्य बलदेव उपाध्याय- शारदा निकेतन, वाराणसी
ii. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी
iii. संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि'-चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, राँची

सी-4

संस्कृत साहित्य (गद्यकाव्य)

खण्ड (क)

शुकनासोपदेश (कादम्बरी)
30 अङ्क

खण्ड (ख)

शिवराजविजयम् (प्रथम निःश्वास)
30 अङ्क

खण्ड (ग)

गद्यसाहित्य- संस्कृत गद्य की परम्पराएं, शास्त्रीय एवं साहित्यिक गद्य, इन गद्यकाव्यों का परिचय- (क) कादम्बरी, (ख) हर्षचरितम्, (ग) वासवदत्ता (घ) दशकुमारचरितम् (ङ) शिवराजविजयम्
20 अङ्क

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अङ्कों की
समसत्रान्त परीक्षा 80 अङ्कों की (**परीक्षावधि- 3 घण्टे**)

खण्ड (क) शुकनासोपदेश

प्रश्न-1) पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न **2X5= 10**
प्रश्न-2) दो में से **एक (01)** आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर
8X1= 8
प्रश्न-3) दो में से **एक (01) गद्यांश** की **संस्कृत में सप्रसङ्ग** व्याख्या
7X1= 7
प्रश्न-4) दो में से **एक (01) गद्यांश** का हिन्दी में अनुवाद
5X1= 5

खण्ड (ख) शिवराजविजयम् (प्रथम निःश्वास)

प्रश्न-5) पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न **2X5= 10**
प्रश्न-6) दो में से **एक (01)** आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर
8X1= 8
प्रश्न-7) दो में से **एक (01) गद्यांश** की **संस्कृत में सप्रसङ्ग** व्याख्या
7X1= 7
प्रश्न-8) दो में से **एक (01) गद्यांश** का हिन्दी में अनुवाद
5X1= 5

खण्ड (ग) गद्यसाहित्य

प्रश्न-9) चार में से किन्हीं **दो (02)** पर टिप्पणी
10X2= 20

अनुशंसित पुस्तकें-

i. शुकनासोपदेशः- देवेन्द्र मिश्र- रामनारायण बेनीप्रसाद, इलाहाबाद
ii. शुकनासोपदेशः- आचार्य रामनाथ शर्मा-'सुमन'- साहित्य भण्डार, मेरठ
iii. शिवराजविजयः- डा० रमाशङ्कर मिश्र- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
iv. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी
v. संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि'-चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

तृतीय समसत्र (IIIrd Semester)

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, राँची

तृतीय समसत्र (IIIrd Semester)

सी-5

श्रीमद्भगवद्गीता और कठोपनिषद्

खण्ड (क)

श्रीमद्भगवद्गीता- द्वितीय अध्याय (श्लोक संख्या 39 से 72)
40 अङ्क

खण्ड (ख)

कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय)
40 अङ्क

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अङ्कों की
समसत्रान्त परीक्षा 80 अङ्कों की (**परीक्षावधि- 3 घण्टे**)

खण्ड (क) श्रीमद्भगवद्गीता

प्रश्न-1) पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न **2X5= 10**
प्रश्न-2) दो में से **एक (01)** आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर
12X1= 12
प्रश्न-3) दो में से **एक (01)** श्लोक की **संस्कृत में सप्रसङ्ग** व्याख्या
10X1= 10
प्रश्न-4) दो में से **एक (01)** श्लोक का हिन्दी में अनुवाद
8X1= 8

खण्ड (ख) कठोपनिषद्

प्रश्न-5) पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न **2X5= 10**
प्रश्न-6) दो में से **एक (01)** आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर
12X1= 12
प्रश्न-7) दो में से **एक (01)** मन्त्र की **संस्कृत में सप्रसङ्ग** व्याख्या
10X1= 10
प्रश्न-8) दो में से **एक (01)** मन्त्र का हिन्दी में अनुवाद **8X1= 8**

अनुशंसित पुस्तकें-

i. कठोपनिषद्- डा० सुरेन्द्र देव शास्त्री- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन
ii. कठोपनिषद्- गीता प्रेस, गोरखपुर
iii. कठोपनिषद्- डा० बैजनाथ पाण्डेय- मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
iv. श्रीमद्भगवद्गीता- शाङ्करभाष्य-हिन्दी अनुवाद सहित- गीता प्रेस, गोरखपुर
v. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीयोऽध्यायः)- आचार्य शिवप्रसाद द्विवेदी- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

सी-6

संस्कृत साहित्य (नाट्यसाहित्य)

खण्ड (क)

अभिज्ञानशाकुन्तलम् (प्रथम से चतुर्थ अङ्क)
60 अङ्क

खण्ड (ख)

नाट्यसाहित्य- इन नाटकों का सामान्य परिचय- प्रतिमानाटकम्, स्वप्नवासवदत्तम्, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, मृच्छकटिकम्, उत्तररामचरितम्, मुद्राराक्षसम्, वेणीसंहारम्, रत्नावली, नागानन्द, मालतीमाधवम्, विक्रमोर्वशीयम्, प्रबोधचन्द्रोदयम् 2**0 अङ्क**

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अङ्कों की
समसत्रान्त परीक्षा 80 अङ्कों की (**परीक्षावधि- 3 घण्टे**)

खण्ड (क) अभिज्ञानशाकुन्तलम्

प्रश्न-1) दश वस्तुनिष्ठ प्रश्न **2X10=20**
प्रश्न-2) दो में से **एक (01)** आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर
20X1=20
प्रश्न-3) दो में से **एक (01)** श्लोक की **संस्कृत में सप्रसङ्ग** व्याख्या
12X1=10
प्रश्न-4) दो में से **एक (01)** श्लोक का हिन्दी में अनुवाद
8X1=8

खण्ड (ख) नाट्यसाहित्य

प्रश्न-5) पाँच में से **दो (02)** टिप्पणी
10X2=10

अनुशंसित पुस्तकें-

i. अभिज्ञानशाकुन्तलम्- डा० सुरेन्द्रदेव शास्त्री- रामनारायणलाल बेनीप्रसाद, इलाहाबाद
ii. अभिज्ञानशाकुन्तलम्- डा० कपिलदेव द्विवेदी- रामनारायणलाल बेनीप्रसाद, इलाहाबाद
iii. संस्कृत साहित्य का इतिहास-आचार्य बलदेव उपाध्याय- शारदा निकेतन, वाराणसी
iv. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी
v. संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि'-चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

सी-7

साहित्यशास्त्र

खण्ड (क)

काव्यसिद्धान्त- **40 अङ्क**

आचार्य मम्मटकृत काव्यप्रकाश के अनुसार काव्यलक्षण, काव्यप्रयोजन, काव्यहेतु, शब्दशक्ति एवं रससिद्धान्त

आचार्य विश्वनाथकृत साहित्यदर्पण के अनुसार काव्य के भेद (दृश्य-नाटक, श्रव्य-महाकाव्य, खण्डकाव्य, कथा, आख्यायिका, चम्पू)

खण्ड (ख)

अलङ्कार (आचार्य मम्मटकृत काव्यप्रकाश के अनुसार)- अनुप्रास, श्लेष, वक्रोक्ति, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, समासोक्ति, अपह्नुति, अप्रस्तुतप्रशंसा, अर्थान्तरन्यास, काव्यलिङ्ग, विभावना, विशेषोक्ति, निदर्शना एवं दृष्टान्त

20 अङ्क

खण्ड (ग)

छन्द- अनुष्टुप्, आर्या, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, द्रुतविलम्बित, वसन्ततिलका, मालिनी, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित, वंशस्थ, स्रग्धरा एवं भुजंगप्रयात

20 अङ्क

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अङ्कों की

समसत्रान्त परीक्षा 80 अङ्कों की (**परीक्षावधि- 3 घण्टे**)

खण्ड (क)

प्रश्न-1) दश वस्तुनिष्ठ प्रश्न **2X5= 10**

प्रश्न-2) चार में से **दो (02)** आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर **15X2= 30**

खण्ड (ख)

प्रश्न-3) पाँच में **दो (02)** टिप्पणियाँ **10X2= 20**

खण्ड (ग)

प्रश्न-4) पाँच में **दो (02)** टिप्पणियाँ **10X2= 20**

अनुशंसित पुस्तकें-

i. मम्मटकृत काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर की व्याख्या सहित-ज्ञानमण्डल लिमेटेड, वाराणसी
ii. विश्वनाथकृत साहित्यदर्पण- व्याख्याकार- शालिग्राम शास्त्री- मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
iii. संस्कृत आलोचना- बलदेव उपाध्याय- हिन्दी समिति, सूचना विभाग, उत्तर प्रदेश

एस०ई०सी०-1

अभिनय और कथानक लेखन

अभिनय और कथानक लेखन

80 अङ्क

अभिनय-

अभिनय करने वाले पुरुष (कुशल, विदग्ध, प्रगल्भ), लोकधर्मी और नाट्यधर्मी अभिनय, नाट्य प्रयोक्ता गण (सूत्रधार, नाट्यकार, नट, कुशीलव, नर्तक, विदूषक), अभिनय की परिभाषा, अभिनय के प्रकार (आङ्गिक, वाचिक, सात्त्विक, आहार्य)

कथानक लेखन-

कथानक की प्रकृति (आधिकारिक, प्रासङ्गिक, दृश्य, सूच्य), प्रख्यात, उत्पाद्य और मिश्र कथानक, अर्थप्रकृति (बीज, बिन्दु, पताका, प्रकरी और कार्य), कार्यावस्था (आरम्भ, यत्न, प्राप्त्याशा, नियताप्ति और फलागम), पञ्चसन्धि (मुख, प्रतिमुख, गर्भ, विमर्श,निर्वहण), अर्थोपक्षेपक (विष्कम्भक, चूलिका, अङ्कास्य, अङ्कावतार, प्रवेशक), संवाद के प्रकार (सर्वश्राव्य, नियतश्राव्य, अपवारित, आकाशभाषित)

कथानक और संवाद योजना की दृष्टि से अभिज्ञान शाकुन्तलम् की समीक्षा

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अङ्कों की

समसत्रान्त परीक्षा 80 अङ्कों की (**परीक्षावधि- 3 घण्टे**)

प्रश्न-1) दश वस्तुनिष्ठ प्रश्न **2X10=20**

प्रश्न-2) छः आलोचनात्मक प्रश्नों में से **तीन (03)** प्रश्नों का उत्तर **20X3=60**

अनुशंसित पुस्तकें-

i. नाटक और रंगमंच- सीताराम झा- बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
ii. नाट्यशास्त्र की भारतीय परम्परा और दशरूपक- हजारी प्रसाद द्विवेदी
iii. नाट्यशास्त्र-रविशंकर नागर- परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली
iv. संस्कृत आलोचना-पं० बलदेव उपाध्याय- उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
v. भारतीय आलोचना शास्त्र- डा० राजवंश सहाय 'हीरा', बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना
vi. हिन्दी दशरूपक- डा० भोलाशङ्कर व्यास- चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
vii. अभिनव नाट्यशास्त्र- डा० सीताराम चतुर्वेदी
viii. भारतीय साहित्यशास्त्र- राजवंश सहाय 'हीरा'

डा० श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, राँची

चतुर्थ समसत्र (IVth Semester)

डा० श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, राँची

चतुर्थ समसत्र (IVth Semester)

सी-8

भारतीय संस्कृति एवं राजनीति

भारतीय संस्कृति एवं राजनीति- **80 अङ्क**

भारतीय संस्कृति की विशेषताएं

आश्रमव्यवस्था- (क) आश्रम व्यवस्था की अवधारणा (ख) ब्रह्मचर्य आश्रम- व्युत्पत्ति एवं अर्थ, विशेषता, दिनचर्या, शिक्षा, (ग) गृहस्थाश्रम- व्युत्पत्ति और अर्थ, स्वरूप और विशेषता, गृहस्थाश्रम की श्रेष्ठता, गृहस्थ के कर्तव्य, पञ्चमहायज्ञ, (घ) वानप्रस्थ- व्युत्पत्ति और अर्थ, स्वरूप, महत्त्व, जीवन एवं कर्तव्य, (ङ) संन्यास आश्रम- व्युत्पत्ति एवं अर्थ, संन्यासी की आचारसंहिता

पुरुषार्थ- (क) पुरुषार्थ की अवधारणा, (ख) धर्म- व्युत्पत्ति और अर्थ, विशेषता, विभेद (सामान्य, विशेष एवं आपद्), (ग) अर्थ- स्वरूप और महत्त्व, (घ) काम- व्युत्पत्ति और अर्थ, काम का स्वरूप और महत्त्व, (ङ) मोक्ष- व्युत्पत्ति और अर्थ, स्वरूप और महत्त्व, मोक्षप्राप्ति के आधार

संस्कार-(क) अर्थ और प्रयोजन, (ख) इन संस्कारों का सामान्य परिचय- उपनयन, समावर्तन एवं विवाह

राजनीति- (क) राज्य की उत्पत्ति के कारण तथा उत्पत्ति के सिद्धान्त, (ख) राज्य के कार्य, (ग) राजा का महत्त्व और कार्य

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अङ्कों की

समसत्रान्त परीक्षा 80 अङ्कों की (**परीक्षावधि- 3 घण्टे**)

प्रश्न-1) दश वस्तुनिष्ठ प्रश्न **2X10= 20**

प्रश्न-2) छः आलोचनात्मक प्रश्नों में से **तीन (03)** प्रश्नों का उत्तर **20X3= 60**

अनुशंसित पुस्तकें-

i. भारतीय संस्कृति के मूल तत्त्व- डा० सुखवीर सिंह- साहित्य भण्डार, मेरठ
ii. भारतीय संस्कृति और कला- वाचस्पति गैरोला- उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
iii. प्राचीन भारत का सामाजिक इतिहास- डा० जयशंकर मिश्र- बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी

सी-9

समास-I (केवलसमास, अव्ययीभाव एवं तत्पुरुष)

समास प्रकरण (I)-

80 अङ्क

अव्ययीभाव-

अध्येय सूत्र-

समर्थः पदविधिः, सह सुपा, सुपो धातुप्रातिपदिकयोः, अव्ययीभावः, अव्ययं विभक्तिसमीपसमृद्धिव्यृद्ध्यर्थाभावात्ययासम्प्रति-
शब्दप्रादुर्भावपश्चाद्यथाऽऽनुपूर्व्ययौगपद्यसादृश्यसम्पत्तिसाकल्यान्तवचनेषु, प्रथमानिर्दिष्टं समास उपसर्जनम्, उपसर्जनं पूर्वम्, तृतीयासप्तम्योर्बहुलम्, गोस्त्रियोरुपसर्जनस्य, नाव्ययीभावादतोऽम्त्वपञ्चम्याः, अव्ययीभावे चाकाले, यथाऽसादृश्ये, सुप्प्रतिना मात्रार्थे, आङ्मर्यादाभिविध्योः, लक्षणेनाभिप्रती आभिमुख्ये, यस्य चायामः, तिष्ठद्गुप्रभृतीनि च, पारे मध्ये षष्ठ्या वा, नदीभिश्च, अन्यपदार्थे च संज्ञायाम्, अव्ययीभावे शरत्प्रभृतिभ्यः, अनश्च, नस्तद्धिते, गिरेश्च सेनकस्य।

तत्पुरुष-

अध्येय सूत्र-

तत्पुरुषः, द्विगुश्च, द्वितीया श्रितातीतपतितगतात्यस्तप्राप्तापन्नैः, अत्यन्तसंयोगे, तृतीता तत्कृतार्थेन गुणवचनेन, पूर्वसदृशसमोनार्थकलहनिपुणमिश्रश्लक्ष्णैः, कर्तृकरणे कृता बहुलम्, अन्नेन व्यञ्जनम्, भक्ष्येण मिश्रीकरणम्, चतुर्थी तदर्थार्थबलिहितसुखरक्षितैः, पञ्चमी भयेन, अपेतापोढमुक्तपतितपत्रस्तैरल्पशः, षष्ठी, क्तेन च पूजायाम्, पूर्वापराधरोत्तरमेकदेशिनैकाधिकरणे, अर्धं नपुंसकम्, प्राप्तापन्ने च द्वितीयया, सप्तमी शौण्डैः, सिद्धशुष्कपक्वबन्धैश्च, ध्वाङ्क्षेण क्षेपे, दिक्संख्ये संज्ञायाम्, गोरतद्धितलुकि, संख्यापूर्वो द्विगुः, द्विगुरेकवचनम्, उपमानानि सामान्यवचनैः, उपमितं व्याघ्रादिभिः सामान्याप्रयोगे, विशेषणं विशेष्येण बहुलम्, किं क्षेपे, तत्पुरुषः समानाधिकरणः कर्मधारयः, वर्णो वर्णेन, नलोपो नञः, तस्मान्नुडचि, कुगतिप्रादयः, तत्रोपपदं सप्तमीस्थम्, उपपदमतिङ्, अहस्सर्वैकदेशसंख्यातपुण्याच्च, राजाहस्सखिभ्यष्टच्, अह्नोऽदन्तात्, आन्महतः समानाधिकरणजातीययोः, द्वयष्टनः संख्यायामबहुव्रीह्यशीत्योः, त्रेस्त्रयः।

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अङ्कों की
समसत्रान्त परीक्षा 80 अङ्कों की (**परीक्षावधि- 3 घण्टे**)
प्रश्न-1) दश वस्तुनिष्ठ प्रश्न
2X10=20
प्रश्न-2) बारह सूत्रों में से **पाँच (05)** सूत्रों की व्याख्या
5X5=25
प्रश्न-3) बारह समस्त पदों में **पाँच (05)** समस्त पदों की सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि
5X5=25
प्रश्न-4) बारह सामासिक पदों में **पाँच (05)** पदों में समास के भेद विशेष का निर्देश
2X5=10

अनुशंसित पुस्तकें-

i. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (समासप्रकरणम्)- आचार्य जगदीशशास्त्री और श्रीमती मधुबाला शर्मा-मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
ii. समासप्रकरणम्-डा० घनश्याम महतो-एस० के० बुक एजेंसी, राँची

सी-10

समास-II (बहुव्रीहि एवं द्वन्द्व) एवं व्याकरणिक पारिभाषिक शब्द

खण्ड-(क)

समास प्रकरण- **60 अङ्क**

बहुव्रीहि -

अध्येय सूत्र-

शेषो बहुव्रीहि, अनेकमन्यपदार्थे, स्त्रियाः पुंवद्भाषितपुंस्कादनूङ्समानाधिकरणे स्त्रियामपूरणीप्रियादिषु, स्त्रियाः पुंवद्भाषितपुंस्कादनूङ्, समानाधिकरणे स्त्रियामपूरणीप्रियादिषु, अप्पूरणीप्रमाण्योः, न कोपधायाः, संज्ञापूरण्योश्च, स्वाङ्गाच्चेतः, जातेश्च, तत्र तेनेदमिति सरूपे, अन्येषामपि दृश्यते, ओर्गुणः, तेन सहेति तुल्ययोगे, वोपसर्जनस्य, सुहृद्दुहृदौ मित्रामित्रयोः, निष्ठा।

द्वन्द्व-

अध्येय सूत्र-

चार्थे द्वन्द्वः, राजदन्तादिषु परम्, द्वन्द्वे घि, अजाद्यदन्तम्, अल्पाचतरम्, द्वन्द्वश्च प्राणितूर्यसेनाङ्गानाम्, क्षुद्रजन्तवः, येषां च विरोधः शाश्वतिकः, आनङृतौ द्वन्द्वे, देवता द्वन्द्वे च, दिवो द्यावा, मातरपितरावुदीचाम्, द्वन्द्वाच्चुदषहान्तात् समाहारे, स्त्री पुंवच्च, पुमान् स्त्रिया, भ्रातृपुत्रौ स्वसृदुहितृभ्याम्, पिता मात्रा।

खण्ड-(ख)

व्याकरणिक पारिभाषिक शब्द-

20 अङ्क

प्रातिपदिक, सम्प्रसारण, संहिता, गुण, वृद्धि, नदी, घि, उपधा, अपृक्त, गति, पद, विभाषा, सवर्ण, टि, प्रगृह्य, सर्वनामस्थान, निष्ठा, लोप।

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अङ्कों की
समसत्रान्त परीक्षा 80 अङ्कों की (**परीक्षावधि- 3 घण्टे**)

खण्ड-(क)

प्रश्न-1) दश वस्तुनिष्ठ प्रश्न **2X10=20**

प्रश्न-2) दश सूत्रों में से **चार (04)** सूत्रों की व्याख्या

5X4=20

प्रश्न-3) दश समस्त पदों में **चार (04)** समस्त पदों की सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि

5X4=20

खण्ड-(ख)

प्रश्न-4) आठ पारिभाषिक शब्दों में से **चार (04)** पर सोदाहरण टिप्पणी

5X4=20

अनुशंसित पुस्तक-

i. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (समासप्रकरणम्)- आचार्य जगदीशशास्त्री और श्रीमती मधुबाला शर्मा-मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
ii. समासप्रकरणम्-डा० घनश्याम महतो-एस० के० बुक एजेंसी, राँची

एस०ई०सी०-2

ज्योतिषशास्त्र और वास्तुशास्त्र

ज्योतिषशास्त्र और वास्तुशास्त्र

80 अङ्क

ज्योतिषशास्त्र-

ज्योतिष का अर्थ, ज्योतिषशास्त्र का वेदाङ्गत्व, प्रयोजन और उपयोगिता, पञ्चस्कन्धात्मक ज्योतिषशास्त्र (सिद्धान्त, संहिता, होरा, प्रश्न और शकुन), प्रमुख ज्योतिषी तथा उनकी कृतियाँ (वराहमिहिर, आर्यभट्ट-प्रथम, ब्रह्मगुप्त, भास्कराचार्य द्वितीय) ज्योतिषशास्त्र में कालविधान, पञ्चाङ्ग विचार (तिथि, वार, नक्षत्र, योग और करण) ज्योतिषशास्त्र और वृष्टिविज्ञान, ज्योतिषशास्त्र में वनस्पतियों की उपयोगिता, नवग्रह वाटिका।

वास्तुशास्त्र-

वास्तुशास्त्र का अर्थ और प्रयोजन, वास्तुशास्त्र एवं पञ्चमहाभूत, गृहनिर्माण का प्रयोजन, भूखण्ड का चयन, भूमि परीक्षण, भूमि के प्रकार और गुण-दोष, वास्तुविभाग, वास्तु पुरुष का स्वरूप, वास्तु के प्रकार, भवनाङ्ग (मान एवं प्रमाण, शाला व अलिन्द का निर्माण, भित्ति प्रमाण, द्वार, स्तम्भ मान), वास्तुशास्त्र एवं वनस्पति जगत्, जलाशय वास्तु।

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अङ्कों की

समसत्रान्त परीक्षा 80 अङ्कों की (**परीक्षावधि- 3 घण्टे**)

प्रश्न-1) दश वस्तुनिष्ठ प्रश्न **2X10=20**

प्रश्न-2) छः आलोचनात्मक प्रश्नों में से **तीन (03)** प्रश्नों का उत्तर **15X3=45**

प्रश्न-3) छः में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी

5X3=15

अनुशंसित पुस्तकें-

i. ज्योतिषशास्त्र प्रशिक्षक-डा० गिरिजा शङ्कर शास्त्री-उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ
ii. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (षोडश खण्ड-ज्योतिषशास्त्र)- उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ
iii. प्राच्यभारतीयम् ऋतुविज्ञानम्-डा० धुनीराम त्रिपाठी- सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
iv. भारतीय ज्योतिष- नेमिचन्द्र शास्त्री- भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली
v. भारतीय ज्योतिष का इतिहास- डा० गोरख प्रसाद- उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
vi. भारतीय ज्योतिष-शिवनाथ झारखण्डी- उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
vii. ज्योतिष और वनस्पतियाँ-सत्य प्रकाश द्विवेदी- उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ
viii. वनस्पतिविज्ञान एवं भारतीय ज्योतिषशास्त्र- डा० दीपाली मित्तल-संस्कृत ग्रन्थागार, अहमदाबाद

पञ्चम समसत्र (Vth Semester)

डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, राँची

पञ्चम समसत्र (Vth Semester)

सी-11

वैदिक साहित्य

खण्ड-(क)

वैदिक सूक्त- **55 अङ्क**

अध्येय सूक्त-

ऋग्वेद-

अग्नि सूक्त (1.1), सवितृ सूक्त (1.35), मरुत् सूक्त (1.85), सूर्य सूक्त (1.115), हिरण्यगर्भ (10.121)

यजुर्वेद-

शिवसङ्कल्प सूक्त (34.1-6)

अथर्ववेद-

पृथिवी सूक्त (12.1.1-12)

खण्ड-(ख)

वेदाङ्गों का परिचय (शिक्षा, व्याकरण, निरुक्त, कल्प, छन्द और ज्योतिष)-

25 अङ्क

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अङ्कों की

समसत्रान्त परीक्षा 80 अङ्कों की (**परीक्षावधि- 3 घण्टे**)

खण्ड-(क)

प्रश्न-1) पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न **2X5= 10**

प्रश्न-2) दो देवताओं में से **एक (01)** देवता का परिचय **15X1= 15**

प्रश्न-3) चार में से दो (02) मन्त्रों की संस्कृत में सप्रसङ्ग व्याख्या **9X2= 18**

प्रश्न-4) चार में से दो (02) मन्त्रों का हिन्दी में अनुवाद **6X2= 12**

खण्ड-(ख)

प्रश्न-5) पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न **2X5= 10**

प्रश्न-6) दो में से किसी **एक (01)** वेदाङ्ग का परिचय **15X1= 15**

अनुशंसित पुस्तकें-

i. वैदिक साहित्य का परिचय-पारसनाथ द्विवेदी-चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
ii. वैदिक सेलेक्सन (भाग-1 एवं 2)- तैलंग एण्ड चौबे
iii. वैदिकसूक्तसंग्रह- डा० अयोध्या प्रसाद सिंह एवं डा० रामाशीष पाण्डेय- मोतीलाल बनारसीदास

सी-12
संस्कृत व्याकरण एवं रचना

खण्ड- (क) अनुवाद **30 अङ्क**

संस्कृत से हिन्दी में तथा हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद

खण्ड- (ख) संस्कृत निबन्ध
25 अङ्क

संस्कृत निबन्ध-

अध्येय निबन्ध- संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्, विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्, वसुधैव कुटुम्बकम्, आचारः परमो धर्मः, सत्सङ्गतिः, महाकविः भासः, आदिकविर्वाल्मीकिः, रम्या रामायणी कथा, उपमा कालिदासस्य, भारवेरर्थगौरवम्, माघे सन्ति त्रयो गुणाः, बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्, काव्येषु नाटकं रम्यम्, भारतीयसंस्कृतौ पर्यावरणसंरक्षणम्, उपनिषदः महत्त्वम्।

खण्ड- (ग) पत्रलेखन **15 अङ्क**

संस्कृत में पत्रलेखन-

(पितरम्/मातारम्/प्रधानाचार्यम्/मित्रम्/अनुजं प्रति पत्रम्,)

खण्ड- (घ) प्रत्यय चयन **10 अङ्क**

प्रत्यय चयन- तुमुन्, क्त्वा, ल्यप्, क्त, क्तवतु, शतृ, शानच्, तव्यत्, अनीयर्, यत्, ण्यत्, ल्युट्, घञ् और क्तिन्

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अङ्कों की

समसत्रान्त परीक्षा 80 अङ्कों की (**परीक्षावधि- 3 घण्टे**)

खण्ड-(क)

प्रश्न-1) दो में से **एक (01)** गद्यांश का संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद
15X1=15

प्रश्न-2) दो में से **एक (01)** गद्यांश का हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद
15X1=15

खण्ड- (ख)

प्रश्न-3) पाँच में से **एक (01)** विषय पर निबन्ध लेखन
25X1=25

खण्ड- (ग)

प्रश्न-4) दो में से किसी एक (01) विषय पर संस्कृत भाषा में पत्रलेखन
15X1=15

खण्ड- (घ) प्रत्यय चयन

प्रश्न-5) प्रत्यय चयन (दश वस्तुनिष्ठ प्रश्न)
1X10=10

अनुशंसित पुस्तकें-

i. रचनानुवादकौमुदी- डा० कपिलदेव द्विवेदी-विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
ii. संस्कृतज्ञाननिधिः-डा० रामविलास चौधरी-मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
iii. संस्कृतनिबन्धशतकम्-डा० कपिलदेव द्विवेदी- विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

डी०एस०ई०-1
समूह-'अ'
नाट्यशाला, नाट्यकला एवं नाट्य पारिभाषिक शब्द

(क) नाट्यशाला एवं नाट्यकला **60 अङ्क**

(अ) नाट्यशाला

नाट्यमण्डप और उसकी रचनाविधि, नाट्यमण्डप के विविध प्रकार, भूमि शोधन एवं माप, नेपथ्यगृह, प्रेक्षोपवेशन

(आ) नाट्यकला

(i) नाटक की परिभाषा, (ii) अभिनय और उसके विविध प्रकार, (iii) कथावस्तु (आधिकारिक एवं प्रासङ्गिक), (iv) पञ्च अर्थप्रकृति, (v) पञ्चसन्धि, (vi) अर्थोपक्षेपक, (vii) नायक और उनके भेद, (viii) नायिका और उनके तीन भेद,

(ix) प्रतिनायक, (x) नाट्यरस-परिभाषा और उसके अंग, (xi) रस लक्षण, (xii) रस निष्पत्ति- विभाव, अनुभाव, सञ्चारिभाव, स्थायिभाव, रसभेद
(ख) नाट्य पारिभाषिक शब्द

20 अङ्क

विषकम्भक, प्रस्तावना, प्रवेशक, विदूषक, पताकास्थानक, जनान्तिक, आकाशभाषित, स्वगत, नेपथ्य, नान्दी, सूत्रधार, भरतवाक्य

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अङ्कों की
समसत्रान्त परीक्षा 80 अङ्कों की (**परीक्षावधि- 3 घण्टे**)
प्रश्न-1) दश वस्तुनिष्ठ प्रश्न **2X10=20**
प्रश्न-2) चार आलोचनात्मक प्रश्नों में से **दो (02)** प्रश्नों का उत्तर **20X2=40**
प्रश्न-3) चार में **दो (02)** नाट्य पारिभाषिक शब्दों पर टिप्पणी **10X2=20**

अनुशंसित पुस्तकें-

i. नाटक और रंगमंच- सीताराम झा- बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
ii. नाट्यशास्त्र की भारतीय परम्परा और दशरूपक- हजारी प्रसाद द्विवेदी
iii. नाट्यशास्त्र-रविशंकर नागर- परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली
iv. संस्कृत आलोचना-पं० बलदेव उपाध्याय- उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
v. भारतीय आलोचना शास्त्र- डा० राजवंश सहाय 'हीरा', बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना

डी०एस०ई०-1

समूह-'ब'

भारतीय तर्क पद्धति एवं वाद-विवाद

भारतीय तर्क पद्धति एवं वाद-विवाद

80 अङ्क

वाद-विवाद के विज्ञान के मूल तत्त्व
परिपृच्छा का विज्ञान (आन्विक्षकी) एवं उसका महत्त्व, वाद-विवाद की कला में आन्विक्षकी का विकास, वाद-विवाद का परिषद् एवं उसके प्रकार (वादी, प्रतिवादी, मध्यस्थ), वाद-विवाद प्रविधि (सम्भाषविधि, वादविधि), वाद-विवाद के प्रकार (अनुलोम सम्भाष और विग्रह सम्भाष), वाद-विवाद का औचित्य (वादोपाय), वाद-विवाद की सीमाएं (वादमर्यादा)
निगमनिक तर्क
आनुमन्तिक चिन्तन का विकास, अनुमान की आवश्यकता और व्यापकता, अनुमान की परिभाषा, अनुमान के मौलिक घटक (साध्य या अनुमेय, हेतु, पक्ष, सपक्ष और विपक्ष), अनुमान के आधारभूत तत्त्व (व्याप्ति तथा पक्षधर्मिता), अनुमान के भेद, अनुमान के पाँच अवयव (प्रतिज्ञा, हेतु, उदाहरण, उपनय, निगमन), हेतु की प्रकृति और आवश्यकता
गणितीय अथवा प्रतीकात्मक तर्कशास्त्रीय अनुप्रयोग-
तर्कवाक्य कलन, वेधेयकलन, सम्बन्धीकलन, वर्गकलन, प्रमाणीकरण सिद्धान्त, भारतीय आनुमानिक सिद्धान्त और प्रतीकात्मक अनुप्रयोग
वाद-विवाद के सिद्धान्त
इन पारिभाषिक शब्दों का सामान्य अध्ययन-
दृष्टान्त, सिद्धान्त, निर्णय, कथा एवं उसके प्रकार, जल्प, वितण्डा, छल एवं उसके प्रकार, जाति एवं उसके प्रकार (साधर्म्यसम, वैधर्म्यसम, उत्कर्षसम तथा अपकर्षसम), निग्रहस्थान और उसके पाँच प्रकार

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अङ्कों की
समसत्रान्त परीक्षा 80 अङ्कों की (परीक्षावधि- 3 घण्टे)
प्रश्न-1) दश वस्तुनिष्ठ प्रश्न **2X10=20**
प्रश्न-2) छः आलोचनात्मक प्रश्नों में से **तीन (03)** प्रश्नों का उत्तर **20X3=60**

अनुशंसित पुस्तकें-

i. भारतीय दार्शनिक निबन्ध-डा० डी० डी० बंदिष्टे- मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
ii. भारतीय दर्शन में अनुमान-डा० ब्रजनारायण शर्मा- मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
iii. भारतीय दर्शन परिचय-हरिमोहन झा
iv. A History of Indian Logic-Satish Chandra Vidyabhushan-MLBD, Delhi

डी०एस०ई०-2

समूह-'अ'

आयुर्वेद की परम्परा

आयुर्वेद की परम्परा **80 अङ्क**

(i) आयुर्वेद का परिचय, (ii) आयुर्वेद का स्वरूप, (iii) आयुर्वेद का वेदत्व, (iv) आयुर्वेद का प्रयोजन, (v) आयुर्वेद का वैज्ञानिकत्व, (vi) आयुर्वेद का वैशिष्ट्य, (vii) भारतीय भैषज विद्या की प्राचीनता, (viii) आत्रेय और धन्वन्तरि की परम्परा, (ix) आयुर्वेदीय परम्परा में बृहत्त्रयी (चरक संहिता, सुश्रुत संहिता तथा अष्टाङ्गहृदय) तथा लघुत्रयी (माधवनिदान, शार्ङ्धर संहिता, भावप्रकाश), (x) आयुर्वेद के आठ अङ्ग (शल्यतन्त्र, शालाक्यतन्त्र, कायचिकित्सा, भूतविद्या, कौमारभृत्य, अगदतन्त्र, रसायनतन्त्र, वाजीकरण), (xi) आयुर्वेद में त्रिदोष, (xii) आयुर्वेद में सप्त धातुएं, (xiii) वृक्षायुर्वेद, (xiv) कतिपय वनस्पतियों का चिकित्सकीय महत्त्व- तुलसी, आमलकी, अपामार्ग, बिल्व, ब्राह्मी, हरिद्रा, निम्ब, गुडुचि, पुनर्नवा, तिल, उदुम्बर।

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अङ्कों की
समसत्रान्त परीक्षा 80 अङ्कों की (**परीक्षावधि- 3 घण्टे**)
प्रश्न-1) दश वस्तुनिष्ठ प्रश्न **2X10=20**
प्रश्न-2) चार आलोचनात्मक प्रश्नों में से **दो (02)** प्रश्नों का उत्तर **20X2=40**
प्रश्न-3) चार में से **दो (02)** वनस्पतियों के चिकित्सकीय गुणों पर टिप्पणी **10X2=20**

अनुशंसित पुस्तकें-

i. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (सप्तदश-खण्ड- आयुर्वेद का इतिहास)- उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ
ii. आयुर्वेद का इतिहास एवं परिचय- डा० विद्याधर शुक्ल एवं रविदत्त त्रिपाठी- चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी
iii. आरोग्यदायी वनस्पतियाँ- रमेश बेदी- अमरसत्य प्रकाशन, दिल्ली
iv. A Text Book of Dravyaguṇa Vijñāna- Dr. Prakash L. Hegde- Chaukhambha Sanskrit Sansthan, Varanasi

डी०एस०ई०-2

समूह-'ब'

संतुलित जीवन जीने की कला

संतुलित जीवन जीने की कला

80 अङ्क

स्वयं उपस्थापन-

स्वयं उपस्थापन की विधि- श्रवण, मनन, निदिध्यासन

एकाग्रता-

योग की अवधारणा, योग के उपाय (अभ्यास और वैराग्य), अष्टाङ्गयोग (यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान एवं समाधि), क्रियायोग, चित्तनिर्मलीकरण

आचरण का परिमार्जन-

ज्ञानयोग, कर्मयोग (श्रीमद्भगवद्गीता में निरूपित), भक्तियोग (कर्मयोग पर विशेषबल)

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अङ्कों की

समसत्रान्त परीक्षा 80 अङ्कों की (परीक्षावधि- 3 घण्टे)

प्रश्न-1) दश वस्तुनिष्ठ प्रश्न **2X10=20**

प्रश्न-2) छः आलोचनात्मक प्रश्नों में से **तीन (03)** प्रश्नों का उत्तर **20X3=60**

अनुशंसित पुस्तकें-

i. बृहदारण्यकोपनिषद्- गीता प्रेस, गोरखपुर
ii. श्रीमद्भगवद्गीता- गीता प्रेस, गोरखपुर

डा० श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, राँची

षष्ठ समसत्र

डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, राँची

षष्ठ समसत्र
सी-13
तत्त्वमीमांसा एवं ज्ञानमीमांसा (तर्कसङ्ग्रह के अनुसार)

तत्त्वमीमांसा एवं ज्ञानमीमांसा (तर्कसङ्ग्रह के अनुसार)

80 अङ्क

तत्त्वमीमांसा-

(1) पदार्थ विवेचन- पदार्थ की अवधारणा
(2) द्रव्य विवेचन- पृथिवी, जल, तेज, वायु, आकाश, काल, दिक्, आत्मा और मन
(3) कर्मविवेचन- उत्क्षेपण, अपक्षेपण, आकुञ्चन, प्रसारण एवं गमन

ज्ञानमीमांसा-

(1) बुद्धि विवेचन- परिभाषा, बुद्धि के प्रकार
(2) कारण विवेचन-समवायि कारण, असमवायिकारण, निमित्त कारण
(3) प्रत्यक्ष प्रमाण विवेचन- परिभाषा, प्रकार-निर्विकल्पक तथा सविकल्पक, षोढा सन्निकर्ष
(4) अनुमान प्रमाण विवेचन- परिभाषा, प्रकार-स्वार्थानुमान तथा परार्थानुमान, हेत्वाभास
(5) उपमान प्रमाण तथा शब्द प्रमाण
(6) अयथार्थ अनुभव

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अङ्कों की
समसत्रान्त परीक्षा 80 अङ्कों की (**परीक्षावधि- 3 घण्टे**)

प्रश्न-1) दश वस्तुनिष्ठ प्रश्न **2X10=20**
प्रश्न-2) छः आलोचनात्मक प्रश्नों में से **तीन (03)** प्रश्नों का उत्तर **20X3=60**

अनुशंसित पुस्तकें-

i. तर्कसंग्रहः- आचार्य श्रीशेषराजशर्मा 'रेग्मी'-चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

डा० श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, राँची

सी-14

नीतिशतकम् एवं मेघदूतम्

खण्ड-(क)

नीतिशतकम्- 1 से 32 श्लोक तक **30 अङ्क**

खण्ड-(ख)

मेघदूतम् (पूर्वमेघ)- उज्जयिनी वर्णन पर्यन्त **30 अङ्क**

खण्ड-(ग)

खण्डकाव्य/गीतिकाव्य- इन ग्रन्थों का सामान्य परिचय- मेघदूतम्, ऋतुसंहारम्, अमरुकशतकम्, आर्यासप्तशती, गङ्गालहरी, नीतिशतकम्, शृङ्गारशतकम्, वैराग्यशतकम्

20 अङ्क

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अङ्कों की
समसत्रान्त परीक्षा 80 अङ्कों की (**परीक्षावधि- 3 घण्टे**)

खण्ड (क) नीतिशतकम्

प्रश्न-1) पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न
2X5=10
प्रश्न-2) दो में से **एक (01)** आलोचनात्मक प्रश्न
8X1=8
प्रश्न-3) दो में से **एक (01)** श्लोक की **संस्कृत में सप्रसङ्ग** व्याख्या
7X1=7
प्रश्न-4) दो में से **एक (01)** श्लोक का हिन्दी में अनुवाद
5X1=5

खण्ड (ख) मेघदूतम्

प्रश्न-5) पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न
2X5=10
प्रश्न-6) दो में से **एक (01)** आलोचनात्मक प्रश्न
8X1=8
प्रश्न-7) दो में से **एक (01)** श्लोक की **संस्कृत में सप्रसङ्ग** व्याख्या
7X1=7
प्रश्न-8) दो में से **एक (01)** श्लोक का हिन्दी में अनुवाद
5X1=5

खण्ड (ग) खण्डकाव्य/गीतिकाव्य

प्रश्न-9) चार में से किन्हीं **दो (02)** खण्डकाव्यों/गीतिकाव्यों पर टिप्पणी
10X2=20

अनुशंसित पुस्तकें-

i. संस्कृत साहित्य का इतिहास-आचार्य बलदेव उपाध्याय- शारदा निकेतन, वाराणसी
ii. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी
iii. संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि'-चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
iv. नीतिशतकम्- गोस्वामी प्रह्लाद गिरि- भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी
v. मेघदूतम्- आचार्य शेषराज शर्मा- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

डी०एस०ई०-3
समूह-'अ'
भाषाविज्ञान

भाषाविज्ञान **80 अङ्क**

(i) भाषा की परिभाषा और उसके विविध रूप, (ii) भाषा की विशेषताएं, (iii) भाषाविज्ञान का स्वरूप, (iv) भाषाविज्ञान की उपयोगिता, (v) ध्वनि विज्ञान (परिभाषा, उपयोगिता, वैदिक ध्वनियाँ, संस्कृत ध्वनियाँ, ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि परिवर्तन की दिशाएं, ध्वनि नियम), (vi) पदविज्ञान (पद और वाक्य, पद और सम्बन्ध तत्त्व, संस्कृत में सम्बन्ध तत्त्व पद विभाग, संहिता), (vii) वाक्यविज्ञान (स्वरूप, पद और वाक्य, वाक्य के अनुवार्य तत्त्व, वाक्य और पदक्रम, वाक्यों के प्रकार, वाक्य परिवर्तन की दिशाएं, वाक्य परिवर्तन के कारण), (viii) अर्थविज्ञान (परिभाषा, अर्थ का महत्त्व, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थज्ञान के साधन, अर्थ परिवर्तन की दिशाएं, अर्थ परिवर्तन के कारण), (ix) वैदिक और लौकिक संस्कृत का तुलनात्मक अध्ययन।

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अङ्कों की

समसत्रान्त परीक्षा 80 अङ्कों की (**परीक्षावधि- 3 घण्टे**)

प्रश्न-1) दश वस्तुनिष्ठ प्रश्न **2X10=20**

प्रश्न-2) छः आलोचनात्मक प्रश्नों में से **तीन (03)** प्रश्नों का उत्तर **15X3=45**

प्रश्न-3) छः में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी **5X3=15**

अनुशंसित पुस्तकें-

i. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र- डा० कपिलदेव द्विवेदी- विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
ii. संस्कृतभाषाविज्ञानम्- श्रीरामाधीन चतुर्वेदी-चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
iii. भाषाविज्ञान की भूमिका- देवेन्द्रनाथ शर्मा- राधाकृष्ण प्रकाशन

डी०एस०ई०-3
समूह-'ब'
संस्कृत भाषा के संगणन के उपकरण एवं तकनीक

संस्कृत भाषा के संगणन के उपकरण एवं तकनीक

80 अङ्क

संस्कृत स्वरविज्ञान, संस्कृत रूपविज्ञान, वाक्यविन्यास, अर्थविज्ञान, शब्दकोश, कार्पोरा

भाषा संगणन□ प्रविधि एवं सर्वेक्षण

व्याकरणिक विधि, सांख्यिकीय विधि, मिश्र विधि, भाषा संगणन सर्वेक्षण

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अङ्कों की

समसत्रान्त परीक्षा 80 अङ्कों की (परीक्षावधि- 3 घण्टे)

प्रश्न-1) दश वस्तुनिष्ठ प्रश्न **2X10=20**

प्रश्न-2) छः आलोचनात्मक प्रश्नों में से **तीन (03)** प्रश्नों का उत्तर **20X3=60**

अनुशंसित पुस्तकें-

डी०एस०ई०-4

समूह-'अ'

संस्कृतसाहित्य में पर्यावरणचेतना

संस्कृतसाहित्य में पर्यावरणचेतना

80 अङ्क

(i) पर्यावरण विवेचन एवं परिभाषा, (ii) पर्यावरण की व्यापकता, (iii) पञ्चमहाभूतों का परिचय, (iv) पर्यावरण प्रदूषण, (v) संस्कृतसाहित्य में निर्दिष्ट पर्यावरणसंरक्षण के सामान्य उपाय (वृक्षारोपण, वृक्षों की प्रतिष्ठा, वृक्ष कर्तन का निषेध, यज्ञ और पर्यावरण), (vi) वनस्पति जगत् के साथ मानव सम्बन्ध का निरूपण, (vii) पर्यावरणसंरक्षण के विशिष्ट उपाय (जलप्रदूषण पर नियन्त्रण, वायुप्रदूषण पर नियन्त्रण, ध्वनिप्रदूषण पर नियन्त्रण, मृत्तिका प्रदूषण पर नियन्त्रण), (viii) जैव संरक्षण, (ix) रामायण एवं कालिदास साहित्य में वनस्पतियाँ, (x) जल प्रबन्धन

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अङ्कों की

समसत्रान्त परीक्षा 80 अङ्कों की (परीक्षावधि- 3 घण्टे)

प्रश्न-1) दश वस्तुनिष्ठ प्रश्न **2X10=20**

प्रश्न-2) छः आलोचनात्मक प्रश्नों में से **तीन (03)** प्रश्नों का उत्तर **20X3=60**

अनुशंसित पुस्तकें-

i. यास्ककालीन पर्यावरण- प्रो० रामाशीष पाण्डेय- प्रबोध संस्कृत प्रकाशन, राँची
ii. संस्कृतसाहित्य में पर्यावरणचेतना-डा० धनञ्जय वासुदेव द्विवेदी, श्रीकृष्ण साहित्य सदन, दिल्ली

डी०एस०ई०-4

समूह-'ब'

संस्कृत के लिए संगणनीय भाषाविज्ञान

संस्कृत के लिए संगणनीय भाषाविज्ञान

80 अङ्क

भाषा एवं सम्प्रेषण, भाषा के स्तर, स्वनिम, रूपग्राम, शब्दकोष, वाक्यविन्यास, अर्थविज्ञान, भाषण, प्राकृतिक भाषा एवं कृत्रिम भाषा, बुद्धिमान यन्त्र के रूप में संगणक, मानव-संगणक का परस्पर प्रभाव, मानव बुद्धि एवं संगणक के द्वारा भाषा प्रसंस्करण, व्याकरणिक एवं सांख्यिकीय प्रसंस्करण, यन्त्र प्रज्ञता, भाषा भाष्य, यूनिकोड, भाषासंसाधन, संगणन सर्वेक्षण, संगणनीय भाषाविज्ञान के प्रायोगिक क्षेत्र

रूपग्राम विश्लेषक, बोली, बोली संश्लेषण, प्राकृतिक भाषा अन्तराफलक, भाषा विश्लेषण, डाटा भण्डारण

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अङ्कों की

समसत्रान्त परीक्षा 80 अङ्कों की (परीक्षावधि- 3 घण्टे)

प्रश्न-1) दश वस्तुनिष्ठ प्रश्न **2X10=20**

प्रश्न-2) छः आलोचनात्मक प्रश्नों में से **तीन (03)** प्रश्नों का उत्तर **20X3=60**

अनुशंसित पुस्तकें-

सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम (संस्कृत)
Syllabus for GE Course in Sanskrit

समसत्र-1	**समसत्र-2**
संस्कृत व्याकरण (सन्धि एवं कारक)	**भारतीय संस्कृति एवं राजनीति**
समसत्र-3	**समसत्र-4**
आयुर्वेद की परम्परा	**भाषाविज्ञान**

जी०ई०-1

संस्कृत व्याकरण (सन्धि एवं कारक)

खण्ड (क)

सन्धि **प्रकरण-**

60 अङ्क

अध्येय सूत्र-

स्वर सन्धि- इको यणचि, तस्मिन्निति निर्दिष्टे पूर्वस्य, स्थानेऽन्तरतमः, अनचि च, झलां जश् झशि, एचोऽयवायावः, वान्तो यि प्रत्यये, अदेङ् गुणः, आद्गुणः, उपदेशेऽजनुनासिक इत्, उरण् रपरः, लोपः शाकल्यस्य, पूर्वत्रासिद्धम्, वृद्धिरादैच, वृद्धिरेचि, उपसर्गाः क्रियायोगे, एङि पररूपम्, अचोऽन्त्यादि टि, शकन्ध्वादिषु पररूपं वाच्यम्, अकः सवर्णे दीर्घः, एङः पदान्तादति, प्लुतप्रगृह्याऽचि नित्यम्, ईदूदेद्विवचनं प्रगृह्यम्, इकोऽसवर्णे शाकल्यस्य ह्रस्वश्च।

व्यञ्जन सन्धि- स्तोः श्चुना श्चुः, शात्, ष्टुना ष्टुः, न पदान्ताट्टोरनाम्, तोः षि, झलां जशोऽन्ते, यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा, तोर्लि, आदेः परस्य, खरि च, मो राजि समः क्वौ, झयो होन्यतरस्याम्, शश्छोऽटि, मोऽनुस्वारः, अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः, वा पदान्तस्य, ङमो ह्रस्वादचि ङमुन्नित्यम्, छे च, पदान्तात् वा।

विसर्ग सन्धि- विसर्जनीयस्य सः, वा शरि, ससजुषो रुः, अतोरोरप्लुतादप्लुते, हशि च, हलि सर्वेषाम्, रोऽसुपि, रो रि, ढ्रलोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः, विप्रतिषेधे परं कार्यम्।

खण्ड (ख)

कारकप्रकरण-

20 अङ्क

अध्येय सूत्र- प्रातिपदिकार्थलिङ्गपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा, सम्बोधने च, कर्तुरीप्सिततमं कर्म, कर्मणि द्वितीया, अकथितञ्च, साधकतमं करणम्, कर्तृकरणयोस्तृतीया, सहयुक्तेऽप्रधाने, प्रकृत्यादिभ्यः उपसंख्यानम्, येनाङ्गविकारः, कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्, चतुर्थी सम्प्रदाने, रुच्यर्थानां प्रीयमाणः, नमःस्वस्तिस्वाहास्वधाऽलंवषड्योगाच्च, ध्रुवमपायेऽपादानम्, अपादाने पञ्चमी, भीत्रार्थानां भयहेतुः, षष्ठी शेषे, आधारोऽधिकरणम्, सप्तम्यधिकरणे च, यतश्च निर्धारणे, यस्य च भावे न भावलक्षणम्।

खण्ड (ग)

व्याकरणशास्त्र का इतिहास- **20 अङ्क**

अध्येय प्रकरण- पाणिनिपूर्व व्याकरण की स्थिति; पाणिनि-देशकाल, जीवनवृत्त एवं अष्टाध्यायी; कात्यायन-देशकाल, जीवनवृत्त एवं वार्तिक; पतञ्जलि- देशकाल, जीवनवृत्त एवं महाभाष्य; व्याकरणशास्त्र का प्रयोजन।

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

समसत्रान्त परीक्षा 100 अङ्कों की (परीक्षावधि- 3 घण्टे)

खण्ड (क)

प्रश्न-1) पाँच सूत्रों में से **दो (02) सूत्रों की व्याख्या**
10X2=20

प्रश्न-2) आठ में से **चार (04) सन्धि विच्छेद** **5X4=20**

प्रश्न-3) आठ में से **चार (04 सन्धि** **5X4=20**

खण्ड (ख)

प्रश्न-5) पाँच में से **दो (02) कारक सूत्रों की व्याख्या**
5X2=10

प्रश्न-6) पाँच में से **दो (02) पदों में ससूत्र विभक्ति निर्देश**
5X2=10

खण्ड (ग)

प्रश्न-7) 'व्याकरणशास्त्र का इतिहास' से दो में **एक (01) आलोचनात्मक प्रश्न**
20X1=20

अनुशंसित पुस्तकें-

i. लघुसिद्धान्त कौमुदी- श्रीधरानन्दशास्त्री- मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
ii. लघुसिद्धान्त कौमुदी-महेश सिंह कुशवाहा- चौखम्बा विद्याभवन,वाराणसी
iii. व्याकरणशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास- श्री रमाकान्त मिश्र- चौखम्बा विद्याभवन
iv. लघुसिद्धान्तकौमुदी- धर्मेन्द्रनाथ शास्त्री तथा डा० राजकिशोर सिंह- प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ

डा० श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, राँची

जी०ई०-2
भारतीय संस्कृति एवं राजनीति

भारतीय संस्कृति एवं राजनीति- **100**

अङ्क

भारतीय संस्कृति की विशेषताएं

आश्रमव्यवस्था- (क) आश्रम व्यवस्था की अवधारणा (ख) ब्रह्मचर्य आश्रम- व्युत्पत्ति एवं अर्थ, विशेषता, दिनचर्या, शिक्षा, (ग) गृहस्थाश्रम- व्युत्पत्ति और अर्थ, स्वरूप और विशेषता, गृहस्थाश्रम की श्रेष्ठता, गृहस्थ के कर्तव्य, पञ्चमहायज्ञ, (घ) वानप्रस्थ- व्युत्पत्ति और अर्थ, स्वरूप, महत्त्व, जीवन एवं कर्तव्य, (ङ) संन्यास आश्रम- व्युत्पत्ति एवं अर्थ, संन्यासी की आचारसंहिता

पुरुषार्थ- (क) पुरुषार्थ की अवधारणा, (ख) धर्म- व्युत्पत्ति और अर्थ, विशेषता, विभेद (सामान्य, विशेष एवं आपद्), (ग) अर्थ- स्वरूप और महत्त्व, (घ) काम- व्यत्पत्ति और अर्थ, काम का स्वरूप और महत्त्व, (ङ) मोक्ष- व्युत्पत्ति और अर्थ, स्वरूप और महत्त्व, मोक्षप्राप्ति के आधार

संस्कार-(क) अर्थ और प्रयोजन, (ख) इन संस्कारों का सामान्य परिचय- उपनयन, समावर्तन एवं विवाह

राजनीति- (क) राज्य की उत्पत्ति के कारण तथा उत्पत्ति के सिद्धान्त, (ख) राज्य के कार्य, (ग) राजा का महत्त्व और कार्य

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

समसत्रान्त परीक्षा 100 अङ्कों की (परीक्षावधि- 3 घण्टे)

प्रश्न-1) छः आलोचनात्मक प्रश्नों में से **तीन (03)** प्रश्नों का उत्तर **20X3=60**

प्रश्न-2) आठ में से किन्हीं **चार (04)** पर टिप्पणी **10X4=40**

अनुशंसित पुस्तकें-

i. भारतीय संस्कृति के मूल तत्त्व- डा० सुखवीर सिंह- साहित्य भण्डार, मेरठ
ii. भारतीय संस्कृति और कला- वाचस्पति गैरोला- उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
iii. प्राचीन भारत का सामाजिक इतिहास- डा० जयशंकर मिश्र- बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी

जी०ई०-3
आयुर्वेद की परम्परा

आयुर्वेद की परम्परा **100 अङ्क**

(i) आयुर्वेद का परिचय, (ii) आयुर्वेद का स्वरूप, (iii) आयुर्वेद का वेदत्व, (iv) आयुर्वेद का प्रयोजन, (v) आयुर्वेद का वैज्ञानिकत्व, (vi) आयुर्वेद का वैशिष्ट्य, (vii) भारतीय भैषज विद्या की प्राचीनता, (viii) आत्रेय और धन्वन्तरि की परम्परा, (ix) आयुर्वेदीय परम्परा में बृहत्त्रयी (चरक संहिता, सुश्रुत संहिता तथा अष्टाङ्गहृदय) तथा लघुत्रयी (माधवनिदान, शार्ङ्धर संहिता, भावप्रकाश), (x) आयुर्वेद के आठ अङ्ग (शल्यतन्त्र, शालाक्यतन्त्र, कायचिकित्सा, भूतविद्या, कौमारभृत्य, अगदतन्त्र, रसायनतन्त्र, वाजीकरण), (xi) आयुर्वेद में त्रिदोष, (xii) आयुर्वेद में सप्त धातुएं, (xiii) वृक्षायुर्वेद, (xiv) कतिपय वनस्पतियों का चिकित्सकीय महत्त्व- तुलसी, आमलकी, अपामार्ग, बिल्व, ब्राह्मी, हरिद्रा, निम्ब, गुडुचि, पुनर्नवा, तिल, उदुम्बर, अश्वत्थ, न्यग्रोध, दूर्वा, आम्र, अर्क

(ii) **प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन**-

समसत्रान्त परीक्षा 100 अङ्कों की (परीक्षावधि- 3 घण्टे)

प्रश्न-1) छः आलोचनात्मक प्रश्नों में से **तीन (03)** प्रश्नों का उत्तर **20X3=60**

प्रश्न-2) आठ में **चार (04)** वनस्पतियों के चिकित्सकीय गुणों पर टिप्पणी **10X4=40**

अनुशंसित पुस्तकें-

i. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (सप्तदश-खण्ड- आयुर्वेद का इतिहास)- उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ
ii. आयुर्वेद का इतिहास एवं परिचय- डा० विद्याधर शुक्ल एवं रविदत्त त्रिपाठी- चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी
iii. आरोग्यदायी वनस्पतियाँ- रमेश बेदी- अमरसत्य प्रकाशन, दिल्ली
iv. A Text Book of Dravyaguṇa Vijñāna- Dr. Prakash L. Hegde- Chaukhambha Sanskrit Sansthan, Varanasi

जी०ई०-4
भाषाविज्ञान

भाषाविज्ञान **100**

अङ्क

(i) भाषा की परिभाषा और उसके विविध रूप, (ii) भाषा की विशेषताएं, (iii) भाषाविज्ञान का स्वरूप, (iv) भाषाविज्ञान की उपयोगिता, (v) ध्वनि विज्ञान (परिभाषा, उपयोगिता, वैदिक ध्वनियाँ, संस्कृत ध्वनियाँ, ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि परिवर्तन की दिशाएं, ध्वनि नियम), (vi) पदविज्ञान (पद और वाक्य, पद और सम्बन्ध तत्त्व, संस्कृत में सम्बन्ध तत्त्व पद विभाग, संहिता), (vii) वाक्यविज्ञान (स्वरूप, पद और वाक्य, वाक्य के अनिवार्य तत्त्व, वाक्य और पदक्रम, वाक्यों के प्रकार, वाक्य परिवर्तन की दिशाएं, वाक्य परिवर्तन के कारण), (viii) अर्थविज्ञान (परिभाषा, अर्थ का महत्त्व, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थज्ञान के साधन, अर्थ परिवर्तन की दिशाएं, अर्थ परिवर्तन के कारण), (ix) वैदिक और लौकिक संस्कृत का तुलनात्मक अध्ययन।

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

समसत्रान्त परीक्षा 100 अङ्कों की (परीक्षावधि- 3 घण्टे)

प्रश्न-1) छः आलोचनात्मक प्रश्नों में से **तीन (03)** प्रश्नों का उत्तर **20X3=60**

प्रश्न-2) आठ में से किन्हीं **चार (04)** पर टिप्पणी **10X4=40**

अनुशंसित पुस्तकें-

i. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र- डा० कपिलदेव द्विवेदी- विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
ii. संस्कृतभाषाविज्ञानम्- श्रीरामाधीन चतुर्वेदी-चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
iii. भाषाविज्ञान की भूमिका- देवेन्द्रनाथ शर्मा- राधाकृष्ण प्रकाशन
iv. सामान्य भाषाविज्ञान- भोलानाथ तिवारी- किताब महल, दिल्ली

डा० श्यामा प्रसाद मुखर्जी पुस्तकालय, रांची

स्नातक सामान्य (संस्कृत)
Syllabus for B.A. (Pass) in Sanskrit

समसत्र-1	समसत्र-2
संस्कृत व्याकरण (सन्धि एवं कारक)	भारतीय संस्कृति एवं राजनीति
समसत्र-3	समसत्र-4
आयुर्वेद की परम्परा	भाषाविज्ञान
समसत्र-5	समसत्र-6
संस्कृत साहित्य का इतिहास (रामायण, महाभारत एवं पुराण)	संस्कृतसाहित्य में पर्यावरणचेतना

पी०-1

संस्कृत व्याकरण (सन्धि एवं कारक)

खण्ड (क)

सन्धि **प्रकरण-**

60 अङ्क

अध्येय सूत्र-

स्वर सन्धि- इको यणचि, तस्मिन्निति निर्दिष्टे पूर्वस्य, स्थानेऽन्तरतमः, अनचि च, झलां जश् झशि, एचोऽयवायावः, वान्तो यि प्रत्यये, अदेङ् गुणः, आद्गुणः, उपदेशेऽजनुनासिक इत्, उरण् रपरः, लोपः शाकल्यस्य, पूर्वत्रासिद्धम्, वृद्धिरादैच, वृद्धिरेचि, उपसर्गाः क्रियायोगे, एङि पररूपम्, अचोऽन्त्यादि टि, शकन्ध्वादिषु पररूपं वाच्यम्, अकः सवर्णे दीर्घः, एङः पदान्तादति, प्लुतप्रगृह्याऽचि नित्यम्, ईदूदेद्विवचनं प्रगृह्यम्, इकोऽसवर्णे शाकल्यस्य ह्रस्वश्च।

व्यञ्जन सन्धि- स्तोः श्चुना श्चुः, शात्, ष्टुना ष्टुः, न पदान्ताट्टोरनाम्, तोः षि, झलां जशोऽन्ते, यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा, तोर्लि, आदेः परस्य, खरि च, मो राजि समः क्वौ, झयो होन्यतरस्याम्, शश्छोऽटि, मोऽनुस्वारः, अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः, वा पदान्तस्य, ङमो ह्रस्वादचि ङमुन्नित्यम्, छे च, पदान्तात् वा।

विसर्ग सन्धि- विसर्जनीयस्य सः, वा शरि, ससजुषो रुः, अतोरोरप्लुतादप्लुते, हशि च, हलि सर्वेषाम्, रोऽसुपि, रो रि, ढ्रलोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः, विप्रतिषेधे परं कार्यम्।

खण्ड (ख)

कारकप्रकरण-

20 अङ्क

अध्येय सूत्र- प्रातिपदिकार्थलिङ्गपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा, सम्बोधने च, कर्तुरीप्सिततमं कर्म, कर्मणि द्वितीया, अकथितञ्च, साधकतमं करणम्, कर्तृकरणयोस्तृतीया, सहयुक्तेऽप्रधाने, प्रकृत्यादिभ्यः उपसंख्यानम्, येनाङ्गविकारः, कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्, चतुर्थी सम्प्रदाने, रुच्यर्थानां प्रीयमाणः, नमःस्वस्तिस्वाहास्वधाऽलंवषड्योगाच्च, ध्रुवमपायेऽपादानम्, अपादाने पञ्चमी, भीत्रार्थानां भयहेतुः, षष्ठी शेषे, आधारोऽधिकरणम्, सप्तम्यधिकरणे च, यतश्च निर्धारणे, यस्य च भावे न भावलक्षणम्।

खण्ड (ग)

व्याकरणशास्त्र का इतिहास- **20 अङ्क**

अध्येय प्रकरण- पाणिनिपूर्व व्याकरण की स्थिति; पाणिनि-देशकाल, जीवनवृत्त एवं अष्टाध्यायी; कात्यायन-देशकाल, जीवनवृत्त एवं वार्तिक; पतञ्जलि- देशकाल, जीवनवृत्त एवं महाभाष्य; व्याकरणशास्त्र का प्रयोजन।

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

समसत्रान्त परीक्षा 100 अङ्कों की (परीक्षावधि- 3 घण्टे)

खण्ड (क)

प्रश्न-1) पाँच सूत्रों में से **दो (02) सूत्रों की व्याख्या** **10X2=20**

प्रश्न-2) आठ में से **चार (04) सन्धि विच्छेद** **5X4=20**

प्रश्न-3) आठ में से **चार (04 सन्धि** **5X4=20**

खण्ड (ख)

प्रश्न-5) पाँच में से **दो (02) कारक सूत्रों की व्याख्या** **5X2=10**

प्रश्न-6) पाँच में से **दो (02) पदों में ससूत्र विभक्ति निर्देश** **5X2=10**

खण्ड (ग)

प्रश्न-7) 'व्याकरणशास्त्र का इतिहास' से दो में **एक (01) आलोचनात्मक प्रश्न** **20X1=20**

अनुशंसित पुस्तकें-

लघुसिद्धान्त कौमुदी- श्रीधरानन्दशास्त्री- मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
लघुसिद्धान्त कौमुदी-महेश सिंह कुशवाहा- चौखम्बा विद्याभवन,वाराणसी
व्याकरणशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास- श्री रमाकान्त मिश्र- चौखम्बा विद्याभवन

डा० श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, राँची

पी०-2
भारतीय संस्कृति एवं राजनीति

भारतीय संस्कृति एवं राजनीति- **100**

अङ्क

भारतीय संस्कृति की विशेषताएं

आश्रमव्यवस्था- (क) आश्रम व्यवस्था की अवधारणा (ख) ब्रह्मचर्य आश्रम- व्युत्पत्ति एवं अर्थ, विशेषता, दिनचर्या, शिक्षा, (ग) गृहस्थाश्रम- व्युत्पत्ति और अर्थ, स्वरूप और विशेषता, गृहस्थाश्रम की श्रेष्ठता, गृहस्थ के कर्तव्य, पञ्चमहायज्ञ, (घ) वानप्रस्थ- व्युत्पत्ति और अर्थ, स्वरूप, महत्त्व, जीवन एवं कर्तव्य, (ङ) संन्यास आश्रम- व्युत्पत्ति एवं अर्थ, संन्यासी की आचारसंहिता

पुरुषार्थ- (क) पुरुषार्थ की अवधारणा, (ख) धर्म- व्युत्पत्ति और अर्थ, विशेषता, विभेद (सामान्य, विशेष एवं आपद्), (ग) अर्थ- स्वरूप और महत्त्व, (घ) काम- व्यत्पत्ति और अर्थ, काम का स्वरूप और महत्त्व, (ङ) मोक्ष- व्युत्पत्ति और अर्थ, स्वरूप और महत्त्व, मोक्षप्राप्ति के आधार

संस्कार-(क) अर्थ और प्रयोजन, (ख) इन संस्कारों का सामान्य परिचय- उपनयन, समावर्तन एवं विवाह

राजनीति- (क) राज्य की उत्पत्ति के कारण तथा उत्पत्ति के सिद्धान्त, (ख) राज्य के कार्य, (ग) राजा का महत्त्व और कार्य

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

समसत्रान्त परीक्षा 100 अङ्कों की (परीक्षावधि- 3 घण्टे)

प्रश्न-1) छः आलोचनात्मक प्रश्नों में से **तीन (03)** प्रश्नों का उत्तर **20X3=60**

प्रश्न-2) आठ में से किन्हीं **चार (04)** पर टिप्पणी **10X4=40**

अनुशंसित पुस्तकें-

i. भारतीय संस्कृति के मूल तत्त्व- डा० सुखवीर सिंह- साहित्य भण्डार, मेरठ
ii. भारतीय संस्कृति और कला- वाचस्पति गैरोला- उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
iii. प्राचीन भारत का सामाजिक इतिहास- डा० जयशंकर मिश्र- बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी

पी०-3
आयुर्वेद की परम्परा

आयुर्वेद की परम्परा **100 अङ्क**

(i) आयुर्वेद का परिचय, (ii) आयुर्वेद का स्वरूप, (iii) आयुर्वेद का वेदत्व, (iv) आयुर्वेद का प्रयोजन, (v) आयुर्वेद का वैज्ञानिकत्व, (vi) आयुर्वेद का वैशिष्ट्य, (vii) भारतीय भैषज विद्या की प्राचीनता, (viii) आत्रेय और धन्वन्तरि की परम्परा, (ix) आयुर्वेदीय परम्परा में बृहत्त्रयी (चरक संहिता, सुश्रुत संहिता तथा अष्टाङ्गहृदय) तथा लघुत्रयी (माधवनिदान, शार्ङ्धर संहिता, भावप्रकाश), (x) आयुर्वेद के आठ अङ्ग (शल्यतन्त्र, शालाक्यतन्त्र, कायचिकित्सा, भूतविद्या, कौमारभृत्य, अगदतन्त्र, रसायनतन्त्र, वाजीकरण), (xi) आयुर्वेद में त्रिदोष, (xii) आयुर्वेद में सप्त धातुएं, (xiii) वृक्षायुर्वेद, (xiv) कतिपय वनस्पतियों का चिकित्सकीय महत्त्व- तुलसी, आमलकी, अपामार्ग, बिल्व, ब्राह्मी, हरिद्रा, निम्ब, गुडुचि, पुनर्नवा, तिल, , उदुम्बर, अश्वत्थ, न्यग्रोध, दूर्वा, आम्र, अर्क

(ii) **प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन**-

समसत्रान्त परीक्षा 100 अङ्कों की (परीक्षावधि- 3 घण्टे)

प्रश्न-1) छः आलोचनात्मक प्रश्नों में से **तीन (03)** प्रश्नों का उत्तर **20X3=60**

प्रश्न-2) आठ में **चार (04)** वनस्पतियों के चिकित्सकीय गुणों पर टिप्पणी **10X4=40**

अनुशंसित पुस्तकें-

i. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (सप्तदश-खण्ड- आयुर्वेद का इतिहास)- उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ
ii. आयुर्वेद का इतिहास एवं परिचय- डा० विद्याधर शुक्ल एवं रविदत्त त्रिपाठी- चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी
iii. आरोग्यदायी वनस्पतियाँ- रमेश बेदी- अमरसत्य प्रकाशन, दिल्ली
iv. A Text Book of Dravyaguṇa Vijñāna- Dr. Prakash L. Hegde- Chaukhambha Sanskrit Sansthan, Varanasi

डा० श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची

पी०-4
भाषाविज्ञान

भाषाविज्ञान **100**
अङ्क

(i) भाषा की परिभाषा और उसके विविध रूप, (ii) भाषा की विशेषताएं, (iii) भाषाविज्ञान का स्वरूप, (iv) भाषाविज्ञान की उपयोगिता, (v) ध्वनि विज्ञान (परिभाषा, उपयोगिता, वैदिक ध्वनियाँ, संस्कृत ध्वनियाँ, ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि परिवर्तन की दिशाएं, ध्वनि नियम), (vi) पदविज्ञान (पद और वाक्य, पद और सम्बन्ध तत्त्व, संस्कृत में सम्बन्ध तत्त्व पद विभाग, संहिता), (vii) वाक्यविज्ञान (स्वरूप, पद और वाक्य, वाक्य के अनिवार्य तत्त्व, वाक्य और पदक्रम, वाक्यों के प्रकार, वाक्य परिवर्तन की दिशाएं, वाक्य परिवर्तन के कारण), (viii) अर्थविज्ञान (परिभाषा, अर्थ का महत्त्व, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थज्ञान के साधन, अर्थ परिवर्तन की दिशाएं, अर्थ परिवर्तन के कारण), (ix) वैदिक और लौकिक संस्कृत का तुलनात्मक अध्ययन।

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

समसत्रान्त परीक्षा 100 अङ्कों की (परीक्षावधि- 3 घण्टे)
प्रश्न-1) छः आलोचनात्मक प्रश्नों में से **तीन (03)** प्रश्नों का उत्तर **20X3=60**
प्रश्न-2) आठ में से किन्हीं **चार (04)** पर टिप्पणी
10X4=40

अनुशंसित पुस्तकें-

i. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र- डा० कपिलदेव द्विवेदी- विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
ii. संस्कृतभाषाविज्ञानम्- श्रीरामाधीन चतुर्वेदी-चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
iii. भाषाविज्ञान की भूमिका- देवेन्द्रनाथ शर्मा- राधाकृष्ण प्रकाशन
iv. सामान्य भाषाविज्ञान- भोलानाथ तिवारी- किताब महल, दिल्ली

डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, राँची

पी०-5

संस्कृत साहित्य का इतिहास (रामायण, महाभारत एवं पुराण**)**

संस्कृत साहित्य का इतिहास- रामायण, महाभारत एवं पुराण

100 अङ्क

रामायण- (क) सामान्य परिचय, (ख) काल-निर्धारण, (ग) उपजीव्यता, (घ) रामायणकालीन समाज और संस्कृति, (ङ) रामायण का साहित्यिक महत्त्व, आदिकाव्य के रूप में रामायण।

महाभारत- (क) महाभारत का विकास क्रम, (ख) उपजीव्यता, (ग) काल-निर्धारण (घ) महाभारतकालीन समाज, (ङ) महाभारत का साहित्यिक महत्त्व, (च) रामायण और महाभारत का पौर्वापर्य।

पुराण- (क) पुराण की परिभाषा, (ख) पुराणों के लक्षण, (ग) महापुराणों की संख्या (घ) इन महापुराणों का सामान्य परिचय- श्रीमद्भागवत, अग्नि, विष्णु, स्कन्द एवं पद्म

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अङ्कों की

समसत्रान्त परीक्षा 80 अङ्कों की (परीक्षावधि- 3 घण्टे)

प्रश्न-1) छः आलोचनात्मक प्रश्नों में से **तीन (03)** प्रश्नों का उत्तर **20X3=60**

प्रश्न-2) आठ में से किन्हीं **चार (04)** पर टिप्पणी **10X4=40**

अनुशंसित पुस्तकें-

i. संस्कृत साहित्य का इतिहास-आचार्य बलदेव उपाध्याय- शारदा निकेतन, वाराणसी
ii. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी
iii. संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि'-चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

डा० श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, राँची

पी०-6

संस्कृतसाहित्य में पर्यावरणचेतना

संस्कृतसाहित्य में पर्यावरणचेतना

100 अङ्क

(i) पर्यावरण विवेचन एवं परिभाषा, (ii) पर्यावरण की व्यापकता, (iii) पञ्चमहाभूतों का परिचय, (iv) पर्यावरण प्रदूषण, (v) संस्कृतसाहित्य में निर्दिष्ट पर्यावरणसंरक्षण के सामान्य उपाय (वृक्षारोपण, वृक्षों की प्रतिष्ठा, वृक्ष कर्तन का निषेध, यज्ञ और पर्यावरण), (vi) वनस्पति जगत् के साथ मानव सम्बन्ध का निरूपण, (vii) पर्यावरणसंरक्षण के विशिष्ट उपाय (जलप्रदूषण पर नियन्त्रण, वायुप्रदूषण पर नियन्त्रण, ध्वनिप्रदूषण पर नियन्त्रण, मृत्तिका प्रदूषण पर नियन्त्रण), (viii) जैव संरक्षण, (ix) रामायण एवं कालिदास साहित्य में वनस्पतियाँ, (x) जल प्रबन्धन

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

समसत्रान्त परीक्षा 100 अङ्कों की (परीक्षावधि- 3 घण्टे)

प्रश्न-1) छः आलोचनात्मक प्रश्नों में से **तीन (03)** प्रश्नों का उत्तर **20X3=60**

प्रश्न-2) आठ में से किन्हीं **चार (04)** पर टिप्पणी

10X4=40

अनुशंसित पुस्तकें-

i. यास्ककालीन पर्यावरण- प्रो० रामाशीष पाण्डेय- प्रबोध संस्कृत प्रकाशन, राँची
ii. संस्कृतसाहित्य में पर्यावरणचेतना-डा० धनञ्जय वासुदेव द्विवेदी, श्रीकृष्ण साहित्य सदन, दिल्ली

डा० श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, राँची